THE DEPUTY CHAIRMAN : It is very unfortunate that when the Minister is reading out something, you people are getting in front. I am very sorry. Please have some courtesy. Let him finish it. ... *(Interruptions).*

Just a minute, please. This side also I will request everybody to keep quiet, let me hear him. Please.

MOTION FOR ELECTION TO THE COIR BOARD

SHRI M. ARUNACHALAM : I move the following Motion :—

"That in pursuance of clause (e) of sub-section (3) of section 4 of the Coir Industry Act, 1953 (45 of 1953), read with clause (c) of sub-rule (1) of rule 4 and sub-rule (2) of rule 5 of the Coir Industry Rules, 1954 this House do proceed to elect, in such manner, as the Chairman may direct, one member from among the members of the House, to be a member of the Coir Board in the vacancy caused by the retirement of Shri John F. Fernandes from the membership of Rajya Sabha on the 7th July, 1993."

The question was put and the motion was adopted.

Re. Blast at R.S.S. Headquarters, Madras

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : महोदया, ...

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh) : Madam, . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will permit you. I have got the name*.

सिकन्दर बख्त साहब को पहले मैं अलाऊ कर दूं । उनका नाम लिखा हुआ है मेरे पास । बोलिए, सिकन्दर बख्त, जी । (व्यवधान)

श्री दिग्विजय सिंह : सब से पहले हमारा था । (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN : I will allow you.

जो मेरे पास लिस्ट है उसमें आपका सब से पहले नहीं है ।

श्री दिग्विजय सिंह : चेयरमैन साहब ने सबसे पहले हमें परमिशन दी है । सब से अहम सवाल है । हमें यह परमिशन मिली है कि बम्बई में जो पत्रकारों के ऊपर , सम्पादक के ऊपर हमला हुआ है, उस सवाल को उठाने के लिए (व्यवधान) चेयरमैन साहब ने सब से पहले परमिशन हमको दी है । (व्यवधान)

उपसभापति : दिग्विजय जी, आपका नाम मेरे पास लिखा है ।

श्री दिग्विजय सिंह : सब से पहले हमारा नाम आना चाहिए ।

उपसभापति : ठीक है उसमें कोई डिसएग्रीमेंट नहीं है कि आपको परमिशन नहीं दी है । सिर्फ ऊपर नीचे का सवाल है । (व्यवधान)

श्री दिग्विजय सिंह : ऊपर नीचे का सवाल क्यों है (व्यवधान)

उपसभापति : हमें मालूम नहीं है । हमारे पास जो लिस्ट आई है वह यह है कि ... (व्यवधान)

श्री दिग्विजय सिंह : चेयरमैन साहब ने सब से पहले परमिशन हमको दी है (व्यवधान) आप सेक्रेटरी जनरल से पूछ लीजिए (व्यवधान)

उपसभापति : चेयरमैन साहब ने आपको बोलने की परमिशन दी है, हम आपको बुलवा लेंगे । अब सिकन्दर बख्त साहब को बोलने दीजिए (व्यवधान)

विपक्ष के नेता श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहेबा, ... (व्यवधान)

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Madam Deputy Chairman ...

उपसभापति : आपका नाम भी है । (व्यवधान)

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY : I gave notice on the question of RSS. I was told that I would be allowed to raise it today. ... *(Interruptions)* When are you going to call me ?

THE DEPUTY CHAIRMAN : After Sikander Bakhtji, you.

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहेबा, मद्रास में आर० एस० एस० के हेडक्वार्टर्स में जो एक्सप्लोजन हुआ था, उसके बारे में मैं कुछ अर्ज करना चाहूंगा । अपने जो स्टेट होम मिनिस्टर साहब हैं, उन्होंने यहां कुछ बयान दिया था । उनके बयान में कुछ दुरुस्त बातें नहीं कहीं गई है, मैं उनके मुताल्लिक अर्ज करूंगा : मैं थोड़ी-सी भूमिका यह बांधना चाहता हूं कि हम यह मानते हैं कि पार्लियामेंटरी एक्टीविटी में लफ्ज के इस्तेमाल की बहुत ज्यादा अहमियत है । बहुत ऐहतियात और होशियारी से अल्फाज इस्तेमाल किए जाते हैं लेकिन बाजदफा कुछ बातों का जिसमें इंतबाह का पहलू किसी बात से अगर निकल जाए तो वह बात ख्वाहमख्वाह कड़वाहट का बायस बन जाती है । यहां पर स्टेट होम मिनिस्टर साहब ने 10 तारीख को बयान दिया ।

"The explosion did not appear to have been caused by use of RDX explosives."

इसमें यह तो ठीक है कि उन्होंने did not appear to have been used का लफ्ज इस्तेमाल कर लिया अपने बयान में लेकिन साफ साबित है कि वह आर० डी० एक्स० की सच्चाई को डाइल्यूट करने की कोशिश थी । इस किस्म का बयान करने की जरूरत नहीं थी । गैर जरूरी तौर पर इस जुमले को उन्होंने अपने बयान में शामिल किया और सिर्फ शामिल करने पर ही बात खत्म नहीं हुई सदर साहेबा बल्कि उसके बाद क्लैरीफिकेशन्स के दौर में फरमाते हैं—

I, as a layman, have said it there that I have seen...

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry) : Madam, he does not know the full facts.

SHRI SIKANDER BAKHT: I will come to that. For the time being I have no objection to the wrong statement made by the Minister of State for Home saying that:

" ...as a layman I have seen both the blast sites and I personally feel there is no similarity in the blasts at Bombay and the blast at Madras. In these I saw the building tilting like this etc."

And further on this part he is totally arrogant.

"If Ms. Jayalalitha is an expert to say that it is RDX, I am equally an expert to say that it cannot be RDX."i

How can a Minister take that stand ? He is not an expert. He knows nothing. And later on a report has come in the newspapers where the experts have confirmed that RDX was used. Now the point is...

SHRI V. NARAYANASAMY : What was the report of the Central Laboratory ? You don't say it on the basis of the Tamil Nadu Government report. You see the Central Laboratory report. *{Interruptions)* .

SHRI SIKANDER BAKHT : Madam, I am not yielding to Mr. Narayanasamy. He keeps on shouting. I am not yielding to him at all.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh) : Madam, he can as well say, but he should not disturb the Leader of the Opposition.

SHRI SIKANDER BAKHT : I am not yielding to him at all.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Narayanasamy, let him say what his information is. It is for the Government to say.

श्री सिकन्दर बख्त : मैडम, मामला यह है कि··· (व्यवधान)

شری سکندر بخت : میڈم، معاملہ یہ ہے کہ ... ''مداخلت''

SHRI V. NARAYANASAMY: Madam, the Leader of the Opposition is giving wrong information on the basis of a newspaper report.

THE DEPUTY CHAIRMAN : All right. If the Leader of the Opposition is giving wrong information, then there are other instruments available at your disposal to use them.

श्री सिकन्दर बख्त : मैडम, मेरा कहना यह है कि आर० एस० एस० के हेडक्वार्टर्स में जो ब्लास्ट हुआ है मद्रास में, उसमें आर० डी० एक्स० का इस्तेमाल हुआ है । यह अखबार की खबर है और एक्सपर्ट्स् ने इस बात को कन्फर्म किया है अब—

شری سکندر بخت : میڈم، میرا کہنا یہ ہے کہ آر-ایس-ایس-کے ہیڈکوارٹر میں جو بلاسٹ ہوا ہے، مدراس میں اس میں آر-ڈی-ایکس- کا استعمال ہوا ہے. یہ اخبار کی خبر ہے اور ایکسپرٹس نے اس بات کو کنفرم کیا ہے اب-]

the Union Minister of State for Internal Security, Mr. Rajesh Pilot had earlier said : New Delhi had come to know in March.. . *(Interruptions)*

मार्च में आ.र० डी० एक्स० जो है वह मद्रास के शोर्स पर आफ लोड हुआ है । मेरा कहना यह है कि एक तो यहां गलत बयानी करना··· (व्यवधान) सदर साहिबा, मैं अर्ज करूं··· (व्यवधान) मैं अर्ज कर रहा था कि एक तो पायलट साहब ने डेलीबरेटली इस किस्म के अल्फाज इस्तेमाल किये जिनमें हाउस को मिसलीड करने के फैक्टर मौजूद है और दूसरी तरफ इस बात की अहमियत को कम किया गया कि आर० डी० एक्स० मार्च में··· (व्यवधान)

[مارچ میں آر-ڈی-ایکس- جو ہے وہ مدراس کے شورس پر آف لوڈ ہوا ہے- میرا کہنا یہ ہے کہ ایک تو یہاں غلط بیانی کرنا ... ''مداخلت'' ... صدر صاحبہ میں عرض کروں... ''مداخلت''... میں عرض کر رہا تھا کہ ایک تو پائلٹ صاحب نے ڈیلی برٹیلی اس قسم کے الفاظ استعمال

[†] Transliteration in Arabic

†[شری سکندربخت : میں نے فیکٹز کا لفظ تو انگریزی میں کہا ہے-وہ بھی اگر سمجھ میں نہیں آتا تو میری مجبوری ہے-]

کئے جن میں ہاوس کو مس لیڈ کرنے کے فیکٹر موجود ہیں اور دوسری طرف اس بات کی اہمیت کو کم کیا گیا کہ آرٹی- بکس- مارچ میں ''مداخلت''...]

SHRI V. NARAYANASAMY : He said the Minister of State for Internal Security, Mr. Rajesh Pilot, misled the House. Your observation applies to both of us.

SHRI V. NARAYANASAMY : Madam, I am on a point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN : What is your point of order ?

SHRI V. NARAYANASAMY : The Hon. Leader of the Opposition has said that the Hon. Minster of State for Internal Security gave wrong information to the House, he misled the House. Madam, you, in the Chair, have said if wrong and misleading information to the House is there, there is another forum to take action. Now, he cannot raise this in this House. Your observation applies to the Leader of the Opposition also. The observation which you have told me applies to the Leader of the Opposition also. I need your ruling on this.

उपसभापति : जल्दी कह दीजिए, जो भी कहना है ।

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिब, मेरा कहना यह है कि:

†[شری سکندربخت : صدر صاحب... میرا کہنا یہ ہے کہ]

उपसभापति : सिकन्दर बख्त साहब, जो भी कहना है जल्दी कह दीजिए ।

श्री सिकन्दर बख्त : मैं बिल्कुल जल्दी कहने की कोशिश कर रहा हूँ । अगर नारायणसामी साहब की जल्दी से अगर जान छूटे तो मैं अर्ज करूं । सदर साहिबा, मेरा कहना यह है कि गवर्नमेंट ने जो गैरजरूरी—जिन जगहों पर जाना था वहां जाकर—बयान देने की कोशिश की, एक अहम मसले को डाइल्यूट करने की कोशिश की, पहली मेरी शिकायत यह है और दूसरी मेरी शिकायत यह है कि उनके बयानों में, जो आखिरी बयान उन्होंने दिया है "मैं भी उतनी अथारिटी रखता हूँ कि यह आर० डी० एक्स० था या नहीं था", उसके बारे में, उसमें जो एरोगेन्स था...

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिब, मैंने अर्ज किया है कि उनके बयान में मिसलीड करने का फैक्टर मौजूद है । यह मैंने कहा है । अनफार-चुनेटली नारायणसामी साहब अल्फाज की एहतियात को जरा मुश्किल से समझेंगे...

†[شری سکندربخت : صدر صاحب- میں نے عرض کیا ہے کہ ان کے بیان میں مس لیڈ کرنے کا فیکٹر موجود ہے- یہ میں نے کہا ہے- انفارچیٹلی ناوائن سامی صاحب الفاظ کی احتیاط کو ذرا مشکل سے سمجھیں گے...]

†[شری سکندر بخت : میں بالکل جلدی کہنے کی کوشش کر رہا ہوں- مگر نارائن سامی صاحب کی جلدی سے اگر جان چھوٹے تو میں عرض کروں-صدر صاحبہ میرا کہنا یہ ہے کہ گورنمنٹ نے جو غیر ضروری- جن جگہوں پر جانا تھا وہاں جاکر- بیان دینے کی کوشش کی' ایک اہم مسئلہ کو ڈائلیوٹ کرنے کی کوشش کی' پہلی میری شکایت یہ ہے اور دوسری میری شکایت یہ ہے کہ ان کے بیانوں میں' جو آخری بیان انہوں نے دیا ہے ''میں بھی اتنی اتھارٹی رکھتا ہوں کہ یہ آر-ڈی-ایکس- تھا یا نہیں تھا'' اس کے بارے میں' اس میں جو ایروگینس تھا...]

उपसभापति : आप उर्दू में बोल रहे हैं—इतनी मुश्किल तो उनकी कैसे समझ में आयेगा... (**व्यवधान**)

श्री सिकन्दर बख्त : वे कान में अपना लगायें । इसके पहले कि रिएक्ट करना शुरू करें ।

شری سکندربخت : وہ کان میں اپنا لگائیں- اس کے پہلے کہ ری ایکٹ کرنا شروع کریں-]

उपसभापति : उन्होंने कान में नहीं लगाया है ।

श्री सिकन्दर बख्त : मैंने फैक्टर का लफ्ज तो अंग्रेजी में कहा है । वह भी अगर समझ में नहीं आता तो मेरी मजबूरी है ।

†[I Transliteration in Arabic Script.

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

जो एहतियात इनकिसार की होनी चाहिए, वह मौजूद नहीं थी ।

तीसरी बात, मैं यह कहना चाहता हूं कि गवर्नमेंट मार्च में यह जानती थी कि मद्रास के शोर पर आर० डी० एक्स० ऑफलोड हुआ है, गवर्नमेंट ने क्या-क्या एहतियाती कदम उठाए और क्योंकि एहतियाती कदम नहीं उठाए गए इसकी वजह से वहां पर हुआ । तो मोतरिमा, मेरा कहना यह है कि इसकी जांच सी० बी० आई० से कराई जाए । वहां की चीफ मिनिस्टर साहिबा ने भी मुतालबा किया है, मैं भी मुतालबा करता हूं कि इसकी जांच, इस एक्सप्लोइजन की जांच सी० बी० आई० के सुपुर्द की जाए, ताकि जो कलप्रिट्स हों... (व्यवधान) और स्टेट होम मिनिस्टर साहब यहां पर आ कर, जो मुतालबाती उन्होंने की है, उसकी तलाफी करें, सफाई करें ।

यही मुझे अर्ज करना है ।

†[जो احتیاط انکسار کی ہونی چاہیئے، وہ موجود نہیں تھی۔

تیسری بات، میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ گورنمنٹ مارچ میں یہ جانتی تھی کہ مدراس کے شور پر آر-ڈی-ایکس- آسالیو ہوا ہے، گورنمنٹ نے کیا کیا احتیاطی قدم اٹھائے اور کیونکہ احتیاطی قدم نہیں اٹھائے گئے اس کی وجہ سے وہاں پر ہوا- تو محترمہ، میرا کہنا یہ ہے کہ اس کی جانچ سی-بی-آئی-سے کرائی جائے- وہاں کی چیف منسٹر صاحبہ نے بھی مطالبہ کیا ہے، میں بھی مطالبہ کرتا ہوں کہ اس کی جانچ ایکسپلانجن کی جانچ سی-بی-آئی- کے سپرد کی جائے، تاکہ جو کانسپریسی ہوں..."مداخلت-" اور اسٹیٹ ہوم منسٹر صاحب یہاں پر آکر، جو غلط بیانی انہوں نے کی ہے، اس کی تلافی کریں، صفائی کریں، یہی محترمہ عرض کرتا ہے-]

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY : Madam Deputy Chairman, the issue here is whether there was RDX or there was no RDX. Certainly just by holding the debris in your hand, you can't decide whether there was RDX or not.

SHRI G. SWAMINATHAN : Then, why did he say that? ..*(Interruptions)*

... If it is so, why did he say that? ... *(Interruptions)*... Final report is already there. Why are you talking about the preliminary report? ...*(Interruptions)*...

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Madam Deputy Chairman, I am on my legs. I did not yield my position to him. I certainly did not expect Mr. Swaminathan to interrupt me at this stage.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (TAMIL NADU) : He has other problems.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY : Yes, because all his colleagues have gone away to Madras. He is feeling all alone here.

SHRI V. NARAYANASAMY : They are .. . *(Interruptions)*. .

SHRI G. SWAMINATHAN : It is a matter of privilege. You can't say they have been confined. You can't accuse the Members. They have got various reasons to go to Madras. You can't attribute motives to the Members of Parliament. It is a matter of privilege and honour of the Members of this House.

THE DEPUTY CHAIRMAN : We are discussing a matter of people's lives.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY : The issue whether there was RDX or there was no RDX is a matter which can't be settled in this House. The most important fact is that a huge building belonging to the RSS was practically devastated. I think 11 or 12 people have died. Now the Chief Minister says that it is an inter-state matter and the CBI should be entrusted with this job. Now I hope the Chief Minister will stick to this principle because the case of Mrs. Chandraiekha a former IAS officer, who had an acid attack on her, was also un inter-state matter.

THE DEPUTY CHAIRMAN : That is not connected with this.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY : It is not connected but it is a matter of principle.

THE DEPUTY CHAIRMAN : We are not discussing the conduct of the Chief Minister. We are discussing about the RDX.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY : 1 am only saying what the Chief Minister has said. She said, "It is an interstate matter." Earlier she was not agreeable to consider the other case aS sn inter-state matter.

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Subramanian Swamy, you art a vary intelligent person,

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY : Half the intelligence that you have. I am only saying that now the Chief Minister is ready for a CBI enquiry. In view of the fact that the Government of Tamil Nadu has come out with a theory that it was RDX and the Central Government having made this *faux pas,* having said that it was not RDX. I feel that the Government should order for a CBI enquiry. After consultations with the State Government, I had asked the Minister of State for Home Affairs, Mr. Pilot yesterday whether there was RDX or whether there was no RDX. He said that when he had made the statement he had consulted the Chief Minister and the Chief Minister had agreed with him that there was no RDX and today she has said that there was RDX. So in view of this controversy, the best thing or the best course for the Home Minister would be to order a CBI enquiry..... *(Interruptions)* .... She can't say that Tamil Nadu is an independent State and the Home Minister has no right to come to Tamil Nadu. 1 would like to know whether Tamil Nadu is an independent country. Therefore, it is a matter of great seriousness. I think that a CBI enquiry should be ordered in this matter immediately.

SHRI G. SWAMINATHAN (TAMIL NADU) : The Chief Minister of Tamil Nadu has already said that a CBI enquiry should be ordered. We also agree to it.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Shrimati Jayanthi Natarajan.

यह हो गया . . . (व्यवधान) इसके बाद जयपाल रेड्डी . . . (व्यवधान) जो मेरे पास लिखा है ।

श्री दिग्विजय सिंह : नहीं चलेगा। . . . (व्यवधान)

This is not fair . .. *(Interruptions)* .. . I have been granted permission.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : I have been given permission in this matter.

THE DEPUTY CHAIRMAN : It is a matter which is already . . *(Interruptions).*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : To start with, I would like to support what Dr. Swamy said and I would also join in the plea that a CBI inquiry should be ordered into the matter because obviously, and it is very unfortunate. — though I do not share the Chief Minister's view—the Chief Minister of Tamil Nadu does not have confidence in the police of Tamil Nadu. Madam, I think . . . *(Interruptions)*,

18—106 RSS/ND/94.

SHRI G. SWAMINATHAN : Why is it that you art asking for a CBI inquiry? You also do not have confidence in the Tamil Nadu police. You also want a CBI inquiry. Don't you have confidence in the Tamil Nadu police ?

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : I do not have to answer you. *(Interruptions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN : I would be very thankful if Members allow other Members to use their right to speak on the floor of the House.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : J have great faith in the police of Tamil Nadu. They are one of the finest police forces in the country. But the Chief Minister does not share that opinion. And she has asked for the CBI coming in. And, therefore, Madam, I feel that a CBI inquiry, for various reasons, should be ordered.

The first reason why I would like a CBI inquiry is that the State police are being interfered with by political higher-ups in the State. Madam, Mr. Bakht relied on a newspaper report. I would like to rely on another very big report that appeared in a major paper. It says — and this is a fact I verified from people who were present there—that the debris was allowed to be removed. First of all. Madam, the Chief Minister did not even come there. After she heard about the blast, she went to Madurai, she went out of town and she came four hours later. *(Interruptions).*

SHRI G. SWAMINATHAN : No. She has already given a statement that she did not know the seriousness of the matter. *(Interruption).* Later on, when it came to her knowledge, she came there, *(Interruptions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Narayanasamy, since when have you become Jayanthi Natarajan ?

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : The Chief Minister was told about the blast at 1.45. She left the town, she went to some other town. She was not able to keep control of what happened. *(Interruptions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN : I am only allowing the persons whose names are listed here. *(Interruptions).* I am sorry. It is not there. I am being interrupted.

SHRIMATI JAYANTHI NATARA TAN: The debris was shifted by RSS workers. They destroyed vital evidence. They removed everything. They used bulldozers and removed all the vital evidence. Bv the time the Government and everybody woke up and got round to it. the most important evidence which

should have remained as it was, was completely destroyed and the police never did anything. Therefore, the Home Minister, while ordering a CBI inquiry, should go into this problem also.

The last point I would like to make is on the question of whether RDX was used cr not. I would like the Home Minister to please clarify whether the initial report clearly stated, especially of the experts from the Centre, that RDX could not have been used because there were no burn injuries on the victims, there were no pellets on the victims. The RSS people claim that the blast took place in the library, RDX, apparently—I am not an expert—generates such intense heat that all the books would have been destroyed. But all the books are intact. It was, probably, on this basis that reports came that RDX was not used. How is it that such a contrary position could immediately be taken when the State police come into the picture ?

Finally, Madam, the Chief Minister herself, when the Centre pointed out that many hundreds of kilograms of RDX had been smuggled into the State, she and her Government gave a statement that no such smuggling had taken place. What do they say now ? Let the Home Minister go into that. What is the -response of the Chief Minister at that time and the effect ? At the same time, a fundamentalist leader, a gentleman called 'Palani Baba' gave a threat long ago that the RSS office and the Kanchi Mutt would be blown up. But he was not arrested at the time of the threat. He is arrested later. *(Interruptions).*

SHRI G. SWAMINATHAN : He has been arrested. *(Interruptions).*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : What were they doing when ha gave a threat like that ? *(Interruptions).* Madam, my last sentence, therefore, is ... *(Interruptions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN : Not on this. *(Interruptions).*

SHRI SIKANDER BAKHT : . . . Will you ask your junior to come here and make a statement about the wrong statement already made ? *(Interruptions).* Is he going to come and make amends for the wrong statement ?

SHRI V. NARAYANASAMY : Madam, is he speaking on the same subject ?

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have moved on to the other subject. *(Interruptions).*

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): Madam, actually, on the basis of information which was available with the Government, my colleague, Shri Rajesh Pilot, made a statement. He is not an expert in that field. But some experts from here and also the experts from the State Government must have done it. I am not aware as *to* on what basis he has made a statement. But at that stage, the information was that there was no RDX involved. But it was rather unfortunate that we unnecessarily got involved whether it was RDX or not. Actually, we should have waited for getting the opinion of the experts in the field. But there is no question of misleading the House. I don't think he has done anything deliberately to mislead the House ...

SHRI SIKANDER BAKHT: It is a statement which was made deliberately. I have quoted his statement here.

SHRI S. B. CHAVAN : And unnecessarily, you are trying to attribute motives where the motives do not exists at all. Actually, on the basis of information which was available with him, he made that kind of a statement. But I have full faith in the Tamil Nadu police. If they are able to investigate into the matter, certainly we don't have any objection. But if the Chief Minister herself feels that the CBI should enquire into the matter and as some of the hon. Members are also expressing the view that the CBI should enquire into the matter. I have no objection provided I get a written request ... *(Interruptions).*

SHRI S. JAIPAL REDDY: The Chief Minister of Tamil Nadu has already expressed her willingness. There is no peed for the Home Minister to make a conditional offer. *(Interruptions)* Madam, it is a very vital issue.

THE DEPUTY CHAIRMAN : I have got another matter. *(Interruptions).*

SHRI S. JAIPAL REDDY : Madam, I would like to bring to the notice of the Home Minister that the Chief Minister of Tamil Nadu categorically offered herself in favour of the CBI enquiry. Why don't you seize the opportunity and announce the CBI enquiry? Why are you making a conditional offer ?

SHRI S. B. CHAVAN : A mere public statement is not enough. She has to write to us that she wants to have a CBI enquiry. *(Interruptions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN : I am not allowing anything on this. *(Interruptions).*

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam, Mr. Chavan should pull up his junior Minister for making such a statement in this House. *(Interruptions).* No this is a very important matter. *(Interruptions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Gurudas Das Gupta, please sit down. *(Interruptions).*

RE. ATTACK ON JOURNALISTS BY SOME ANTI-SOCIAL ELEMENTS IN BOMBAY

उपसभापति : दिग्विजय सिंह जी, आप बोलिए ।

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : उपसभापति महोदया, मैं आपके माध्य से सरकार का ध्यान एक बड़े ही गंभीर मसले की ओर खींच रहा हूँ । परसों बंबई शहर के कुछ पत्रकार, संपादक एक विषय पर संगोष्ठी करने के लिए एकत्रित हुए थे । संगोष्ठी का विषय था—"सांप्रदायिकता और उस पर उनकी चुनौती" । बम्बई के एक अखबार, जिसका नाम है "महानगर", उसके संपादक श्री निखिल वागले के ऊपर वहां के कुछ असामाजिक तत्वों ने उस मीटिंग में हमला किया । इसके साथ ही वहां दो महिला पत्रकार भी मौजूद थीं, जिनके ऊपर उन असामाजिक तत्वों ने बोतल फोड़कर हमला किया । मैं संगठन का नाम इसलिए नहीं ले रहा क्योंकि उस संगठन का नाम लेने से यहां कुछ लोगों के मन में बेचैनी हो जाएगी ।

महोदया, मैं इस सवाल को गंभीरता से इसलिए उठा रहा हूँ क्योंकि इस सभा में भारत सरकार के एक मंत्री जाने वाले थे और उन भारत सरकार के मंत्री ने उस सभा में जाने से दो मिनट पहले अपना कार्यक्रम स्थगित कर दिया और इसकी सूचना तक उन लोगों को नहीं दी । तो मैं सरकार से यह जानना चाहूँगा कि क्या भारत सरकार के मंत्री के पास ऐसी कोई सूचना थी कि वहां पर कुछ असामाजिक तत्व इस सभा को विखण्डित करने का प्रयास करेंगे । दूसरी बात, बम्बई शहर में और महाराष्ट्र में यह आम बात प्रचलित हो गई है कि जिन लोगों ने वहां पर असामाजिक कार्य किए है, उनके बीच और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के बीच एक समझौता सा है और इसीलिए निखिल वागले के ऊपर यह पहली बार हमला नहीं हुआ, दूसरी बार उनके ऊपर हमला हुआ है । गृह-मंत्री भी यहां बैठे हैं । यह दो गंभीर सवाल पदा हो गए हैं, एक तो भारत सरकार के मंत्री का वहां न जाना, समय पर वहां जाना, स्थगित कर देना और दूसरे महाराष्ट्र के लोगों में इस बात का बैठना । खासकर के जो पढ़े-लिखे लोग है, जो समाज में इस काम को प्रचारित करने का प्रयास कर रहे है कि साम्प्रदायिक सदभाव कैसे बम्बई में फिर से बहाल किया जाए, उनके मन में यह शंका है कि महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री और वैसे संगठन के प्रमुख के बीच कोई तालमेल हो गया है । इसलिए आज आपका यह दायित्व बनता है गृह मंत्री जी कि सदन के माध्यम से देश के लोगों को यह विश्वास दिलाएं कि इस देश में जम्हूरियत जिंदा रहेगी या नहीं रहेगी ? पत्रकारों पर जो अटैक हुआ है, वह सिर्फ पत्रकारों पर नहीं है, बल्कि जो भी लोग इस तरह के काम आज कर रहे है उनके ऊपर इस देश के अलग-अलग हिस्सों में इस तरह के अटैक हो रहे है । इसलिए आपकी आज यह जिम्मेदारी है कि आप इस सदन के माध्यम से देश को बताएं कि इस तरह की प्रक्रिया को रोकने के लिए कौन से कदम आप अपनी तरफ से उठाएंगे ?

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : (उत्तर-प्रदेश) मैडम, मैं इनसे अपने को एसोसिएट करता हूँ और यह बताना चाहता हूँ कि यह सेमिनार इंडियन मर्चेंट्स चेम्बर की तरफ से Seminar on Communalism and its impact on Indian economy इस पर हो रहा था । सिर्फ यही नहीं, जो कुछ अभी दिग्विजय जी ने कहा, मैं उसको नहीं दोहराता हूँ । जो वागले साहब पर हमला हुआ, उसके अलावा उसी दिन सुबह बम्बई से एक दैनिक अखबार निकलता है "आज", उसके एडीटर कॉपिल पाटील पर हमला किया लेबर विंग ने, जिस तंजीम का अभी इन्होंने नाम नहीं लिया, उस तंजीम के लेबर विंग ने . . . (व्यवधान)

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी : (उत्तर प्रदेश) नाम लेना कोई गुनाह है ?

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफ़ज़ल : उस लेबर विंग ने, जिसका नाम है "भारतीय कामगार सेना", उसके प्रेजीडेंट ने टेलीफोन करके जान से मारने की धमकी दी और उसके बाद, यही नहीं हुआ, उनके दफ्तर के अंदर उनके पांच-दस वर्कर्स ने आकर वहां के एक क्राइम रिपोर्टर अमित जोशी को मारा और दो दूसरे लोगों को जख्मी कर दिया ।

महोदया, यह कोई पहला वाकया नहीं है बम्बई के अंदर । वागले साहब पर पहले भी हमला हुआ है और वहां पर प्रेस का गला घोंटने की कई बार कोशिश की जा चुकी है । मैडम, अब तक यह होता था कि एक मखसूस तबके के लोगों को मारा जाता था, लेकिन आज अगर जुल्म के खिलाफ अखबारात् के लोग कुछ लिखते है या वह कोई सेमिनार करके समाज के अंदर